आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत
उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, उ.प्र.
एवं
बी.एड्. विभाग
महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
के संयुक्त तत्वावधान में

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उसका कार्यान्वयन

विषय पर आयोजित दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

कार्तिक कृष्ण षष्ठी एवं सप्तमी, युगाब्ध-5124, वि.सं. 2079
तद्नुसार 15 एवं 16 अक्टूबर, 2022 ई.

आमंत्रण

सेवा में,
श्रीयुत् ______________________

____

____

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"
Website : www.mpm.edu.in • E-mail : nationalseminarnep@mpm.ac.in

उद्घाटन समारोह

15 अक्टूबर, 2022

समय : प्रातः 10:00 से 11:30 • स्थान : श्रीराम सभागार

मंचासीन अतिथि

सानिध्य

प्रो. उदय प्रताप सिंह

पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर
अध्यक्ष–प्रबन्ध समिति, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

कार्यक्रम अध्यक्ष

प्रो. राजेश सिंह

कुलपति
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

मुख्य अतिथि

प्रो. डी.पी. सिंह

पूर्व निदेशक, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली
पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, नई दिल्ली
शैक्षिक सलाहकार, मा. मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश शासन

बीज वक्तव्य

प्रो. मजहर आसिफ

आचार्य, इतिहास विभाग
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

समापन समारोह

16 अक्टूबर, 2022

समय : अपराह्न 03:30 से 04:45 • स्थान : श्रीराम सभागार

मंचासीन अतिथि

सानिध्य

प्रो. उदय प्रताप सिंह

पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर
अध्यक्ष–प्रबन्ध समिति, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

कार्यक्रम अध्यक्ष

प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त

पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

मुख्य अतिथि

प्रो. रजनीश शुक्ल

कुलपति, महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र

विशिष्ट अतिथि

प्रो. राजशरण शाही

आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग
बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ

उत्तरापेक्षी

डॉ. प्रदीप कुमार राव
प्राचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

श्री आर.पी. सिंह
निदेशक, उ.प्र. हिन्दी संस्थान
लखनऊ

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संगोष्ठी - संक्षिप्तिका

15 अक्टूबर, 2022

पंजीकरण	–	प्रातः	08:30 बजे
चाय-जलपान	–	प्रातः	08:30 से 09:30 बजे
उद्घाटन	–	प्रातः	10:00 से 11:30 बजे
भोजन	–	दोपहर	12:00 से 01:00 बजे
प्रथम तकनीकी सत्र	–	अपराह्न	01:30 से 02:30 बजे
चाय	–	अपराह्न	02:30 से 03:00 बजे
द्वितीय तकनीकी सत्र	–	अपराह्न	03:15 से 04:30 बजे
चाय-जलपान	–	अपराह्न	04:30 से 05:00 बजे

16 अक्टूबर, 2022

तृतीय तकनीकी सत्र	–	प्रातः	09:30 से 10:30 बजे
समूह परिचर्चा	–	प्रातः	10:45 से 12:30 बजे
भोजन	–	अपराह्न	12:30 से 01:30 बजे
चतुर्थ तकनीकी सत्र	–	अपराह्न	01:45 से 02:45 बजे
चाय	–	अपराह्न	02:45 से 03:15 बजे
समापन	–	अपराह्न	03:30 से 05:00 बजे
चाय-जलपान	–	सायं	05:00 बजे से

राष्ट्रीय संगोष्ठी

उद्घाटन सत्र (15-16 अक्टूबर, 2022)

उद्घाटन अवसर पर बीज वक्तव्य प्रस्तुत करते प्रो. मज़हर आसिफ

आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, उ. प्र. एवं महाविद्यालय के बी. एड्. विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उसका कार्यान्वयन" विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 15 अक्टूबर को हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शिक्षा सलाहाकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह उपस्थित रहे। संगोष्ठी का बीज वक्तव्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति

की ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य एवं जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के इतिहास विभाग के आचार्य प्रो. मजहर आसिफ ने प्रस्तुत किया। संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि प्रो. आशीष श्रीवास्तव डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी तथा प्रो. रामानन्द पाण्डेय निदेशक, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च एण्ड गवर्नेंस, नई दिल्ली रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने की। इस अवसर पर सभी अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार राव ने तथा कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

प्रथम तकनीकी सत्र में उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

प्रथम तकनीकी सत्र

उद्घाटन समारोह के तत्काल बाद प्रथम तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय की अध्यक्ष प्रो. शोभा गौड़ ने की। सह-अध्यक्ष के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षासंकाय की सहायक आचार्य डॉ. मीतू सिंह उपस्थित रहीं। विषय विशेषज्ञ के रूप में महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय, जंगल कौड़िया, गोरखपुर के सहायक आचार्य डॉ. अमरनाथ तिवारी उपस्थित रहे। सत्र का संचालन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा प्रतिवेदन श्रीमती साधना सिंह ने किया।

द्वितीय तकनीकी सत्र में उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण एवं विषय विशेषज्ञ

द्वितीय तकनीकी सत्र

प्रथम तकनीकी सत्र के बाद द्वितीय तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता डीन, स्कूल ऑफ एजूकेशन, महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी, बिहार के प्रो. आशीष श्रीवास्तव ने की। सह-अध्यक्ष के रूप में नागालैण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोहिमा के शिक्षाशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. ज्ञानेन्द्र नाथ तिवारी भी उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञ के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भौतिकी विभाग के आचार्य प्रो. शान्तनु रस्तोगी उपस्थित रहे। सत्र का संचालन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय तथा प्रतिवेदन श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय ने किया।

तृतीय तकनीकी सत्र

संगोष्ठी के दूसरे दिन अर्थात 16 अक्टूबर को प्रात: 09:30 बजे तृतीय तकनीकी सत्र का आयोजन किया

गया। सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय की आचार्य प्रो. सुषमा पाण्डेय ने किया। सह–अध्यक्ष के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षासंकाय के सहायक आचार्य डॉ. राजेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञ के रूप में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर डॉ. अश्वनी मिश्र ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन श्रीमती विभा सिंह तथा प्रतिवेदन डॉ. दिव्या पाण्डेय ने किया।

तृतीय तकनीकी सत्र में उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

शोधपत्र का वाचन करतीं प्रतिभागी

चतुर्थ तकनीकी सत्र

तृतीय तकनीकी सत्र के बाद चतुर्थ तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. शकुन्तला मिश्रा, राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के फैकल्टी ऑफ स्पेशल एजूकेशन विभाग के डीन डॉ. रजनी रंजन सिंह ने किया। सह–अध्यक्ष के रूप में दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सहजनवां, गोरखपुर की प्राचार्य डॉ. कुमुद त्रिपाठी उपस्थित रहीं। विषय विशेषज्ञ के रूप में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के शिक्षाशास्त्र विभाग के आचार्य डॉ. विवेकनाथ त्रिपाठी ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। सत्र का संचालन महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की आचार्य डॉ. भावना पाण्डेय तथा प्रतिवेदन डॉ. आरती सिंह ने किया।

समापन समारोह

चतुर्थ तकनीकी सत्र के बाद दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता उ.प्र. हिन्दी संस्थान लखनऊ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. शकुन्तला मिश्रा, पुनर्वास विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. रजनी रंजन सिंह व बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर उपस्थित अतिथि, प्रतिभागी एवं विद्यार्थी

समावर्तन–2023

विश्वविद्यालय लखनऊ के शिक्षाशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. राजशरण शाही नें अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र तथा संगोष्ठी प्रतिवेदन श्रीमती शिप्रा सिंह ने प्रस्तुत किया।

amarujala.com
गोरखपुर | शनिवार, 15 अक्तूबर 2022
10

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर दो दिवसीय संगोष्ठी आज से

गोरखपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन को लेकर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ शनिवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में सुबह 10 बजे से होगा। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शिक्षा सलाहकार प्रो. धीरेंद्र पाल सिंह होंगे। संगोष्ठी की संयोजक एवं सचिव शिप्रा सिंह ने बताया कि उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह करेंगे। विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के स्कूल ऑफ एजुकेशन के डीन प्रो. आशीष श्रीवास्तव तथा सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. रामानंद पांडेय होंगे। राष्ट्रीय संगोष्ठी में बीज वक्तव्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति की ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य प्रो. मजहर आसिफ देंगे। ब्यूरो

www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान
गोरखपुर, शनिवार, 15 अक्तूबर 2022
06

हाथ धोने के फायदे बताए

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 'विश्व हाथ धुलाई दिवस' की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. शिव बनवाल ने सफाई के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया।

Scanned with OKEN Scanner

श्रेष्ठ नागरिक बनाना एनईपी का उद्देश्य

जासं, **गोरखपुर** : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शिक्षा सलाहकार व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का मूल उद्देश्य श्रेष्ठ भारतीय परंपराओं का अहसास कराते हुए विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाना है। हर विद्यार्थी में असीमित शक्तियां अंतर्निहित होती हैं। यह शिक्षा नीति उनको पहचानकर उसी के अनुकूल आगे बढ़ाने पर जोर देती है।

प्रो.सिंह शनिवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और उसका कार्यान्वयन' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। महाविद्यालय के बीएड विभाग तथा उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान की तरफ से आयोजित संगोष्ठी में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति मातृभाषा में ज्ञान देते हुए विद्यार्थियों को जड़ों से जोड़ने के बावजूद किसी अन्य भाषा से द्वेष भावना न रखने की सीख देती है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में गोरखपुर को बहु विषयक शिक्षा का हब बनाते हुए नालेज सिटी बनाने की है। उसके अनुरूप रोडमैप तैयार किया जा रहा है।

संगोष्ठी को महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के डीन प्रो. आशीष श्रीवास्तव और सेंटर फार पालिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस नई दिल्ली के निदेशक रामानंद पांडेय बतौर विशिष्ट अतिथि संबोधित किया। संचालन शिप्रा सिंह ने किया। इस दौरान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, गोवि की बीएड विभाग की अध्यक्ष प्रो.शोभा गौड़ आदि मौजूद रहीं।

लचीलापन प्रदान करती है नई शिक्षा नीति : कुलपति : संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.राजेश सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने के लिए यह आवश्यक है कि हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अपने शिक्षण संस्थानों में सही और प्रभावी तरीके से लागू करें। यह शिक्षा नीति लचीलापन प्रदान करती है। देश में मेधा है और संसाधन भी। जरूरत बेहतर प्रबंधन की है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उसका क्रियान्वयन विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह जी

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और उसका कार्यान्वयन' विषय पर संबोधित करते प्रो. डीपी सिंह व मंचासीन अतिथिगण ● सौ. संस्थान

राष्ट्रीय शिक्षा नीति दिग्विजयनाथ के विचारों के अनुरूप

संगोष्ठी के उद्देश्यों पर चर्चा करते हुए कालेज के प्राचार्य डा.प्रदीप कुमार राव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ के विचारों के अनुरूप है। ब्रह्मलीन महंत ने पांच दशक पूर्व शिक्षा व्यवस्था में राष्ट्रीयता और मूल्यपरकता की जिन संकल्पनाओं को देश की संसद में रखा था, उन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने अंगीकार किया है। डा.राव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति की मूल भावनाएं 1932 में स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मूल उद्देश्यों से जुड़ी हैं। ऐसे में शिक्षा परिषद की सभी संस्थाएं संस्थापक के सपनों को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को तत्पर हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर दी प्रस्तुति : संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन को लेकर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की पांच संस्थाओं ने अपनी प्रस्तुति दी। इस दौरान मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के अलावा प्रो.राजशरण शाही, प्रमथ नाथ मिश्र, डा.राजेन्द्र भारती, डा.शैलेंद्र प्रताप सिंह आदि मंचासीन रहे। तकनीकी सत्र में प्रो.शोभा गौड़, डा.मीतू सिंह, डा. अमरनाथ तिवारी ने विचार रखे।

ज्ञान तक पहुंचने का रास्ता दिखाती है शिक्षा

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य प्रो.मजहर आसिफ ने कहा कि सनातन भारतीय संस्कृति शिक्षा की बजाय ज्ञान देने की बात करती है। शिक्षा, ज्ञान नहीं है बल्कि ज्ञान तक पहुंचने का रास्ता है। प्रो.मजहर ने कहा कि इस शिक्षा नीति में मातृभाषा की महत्ता को माना गया है, क्योंकि मौलिक चिंतन मातृभाषा में ही होता है।

Scanned with OKEN Scanner

हिन्दुस्तान | www.livehindustan.com

एमपी पीजी कॉलेज में नई शिक्षा नीति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ

गोरखपुर को नॉलेज सिटी बनाने का बन रहा रोडमैप

गोरखपुर, निज संवाददाता। सीएम योगी के शिक्षा सलाहकार और यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में मूल्य परकता तथा राष्ट्रीयता को ध्यान में रखते हुए जिले को शिक्षा का केंद्र बनाते हुए नॉलेज सिटी बनाने की है। उसी के अनुरूप रोडमैप तैयार किया जा रहा।

प्रो. डीपी सिंह शनिवार को एमपी पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और उसका कार्यान्वयन' विषय पर बीएड विभाग और उप्र हिन्दी संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की दृष्टि बेसिक शिक्षा से लेकर माध्यम, उच्च व तकनीकी शिक्षा पर समग्र रूप से है क्योंकि बेसिक व माध्यमिक शिक्षा की मजबूती से ही उच्च और तकनीकी शिक्षा की सार्थकता सिद्ध हो पाएगी। उन्होंने कहा कि एनईपी का मूल उद्देश्य युगानुकूल श्रेष्ठ भारतीय परंपराओं का भान कराते हुए विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाना है। संचालन संगोष्ठी की संयोजक बीएड विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, डीडीयू के बीएड विभाग की अध्यक्ष प्रो. शोभा गौड़ आदि मौजूद रहे।

एमपी पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. डीपी सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव।

ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ के विचारों के अनुरूप है शिक्षा नीति

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ के विचारों के अनुरूप है। उन्होंने पांच दशक पूर्व शिक्षा व्यवस्था में राष्ट्रीयता और मूल्य परकता की जिन संकल्पनाओं को संसद में रखा था, उन्हें एनईपी ने अंगीकार किया है। इस नीति की मूल भावनाएं 1932 में स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मूल उद्देश्यों से जुड़ी हुई हैं।

65 हजार करोड़ रुपये विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने में चले जाते है

- उप्र हिन्दी संस्थान द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

लचीलापन प्रदान करती है राष्ट्रीय शिक्षा नीति

अध्यक्षता करते हुए डीडीयू के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने के लिए यह आवश्यक है कि हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अपने शिक्षण संस्थानों में सही व प्रभावी तरीके से लागू करें। उच्च शिक्षा के संस्थानों की वैश्विक तुलनात्मक स्थिति रखते हुए प्रो. सिंह ने बताया कि देश से 65 हजार करोड़ रुपये विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने के नाम पर चले जाते हैं।

ज्ञान तक पहुंचने का रास्ता दिखाती है शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य एवं जेएनयू में इतिहास विभाग के आचार्य प्रो. मजहर आसिफ ने कहा कि सनातन भारतीय संस्कृति शिक्षा की बजाय ज्ञान देने की बात करती है। शिक्षा, ज्ञान नहीं है बल्कि ज्ञान तक पहुंचने का रास्ता है।

Scanned with OKEN Scanner

amarujala.com
गोरखपुर | रविवार, 16 अक्तूबर 2022

संगोष्ठी

राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोले सीएम के शिक्षा सलाहकार प्रो. धीरेंद्र पाल

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाना नई शिक्षा नीति का उद्देश्य

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शिक्षा सलाहकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. धीरेंद्र पाल सिंह ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मूल उद्देश्य श्रेष्ठ भारतीय परंपराओं का भान कराते हुए विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाना है।

प्रो धीरेंद्र पाल सिंह शनिवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और उसका कार्यान्वयन' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा शिक्षा नीति के आलोक में गोरखपुर को बहु विषयक शिक्षा का हब बनाते हुए नॉलेज सिटी बनाने की है।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य एवं जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग के आचार्य प्रो. मजहर आसिफ ने कहा कि सनातन भारतीय संस्कृति शिक्षा की जगह ज्ञान देने की बात करती है। शिक्षा, ज्ञान नहीं है, बल्कि ज्ञान तक पहुंचने का रास्ता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्रो. आशीष श्रीवास्तव प्रो. रामानंद पांडेय ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने के लिए यह आवश्यक है कि हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अपने शिक्षण संस्थानों में सही और प्रभावी तरीके से लागू करें। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय में बीएड विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह ने किया। इस मौके पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, प्रो. शोभा गौड़ आदि मौजूद रहे।

संगोष्ठी में प्रो. धीरेंद्र पाल सिंह को स्मृति चिह्न देते प्रदीप राव। अमर उजाला

Scanned with OKEN Scanner